

## IQAC Meeting :- 18/09/2021

महाविद्यालय के IQAC की प्रारंभिक meeting दिनांक 18/09/2021 को कक्ष क्रमांक 21 में दोपहर 12.30 बजे आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्राचार्य डा. आर. रम. सिंह ने की। बैठक में NAAC से संबंधित विभिन्न मुद्दों तथा महाविद्यालय के उत्थान के संबंध में विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। बैठक में निम्नलिखित सदस्य उपस्थित हुए:-

डा. आर. रम. सिंह — प्राचार्य  
डा. जगजीत कौर सलूजा —  
डा. रक्षा सिंह —  
डा. अनिता शाह —  
डा. सोमाली गुप्ता —  
डा. प्रसा कुलकर्णी —  
डा. अनुपमा अस्थाना —  
डा. सुनिता बी. मैथ्यू —  
डा. तरलाचन कौर —  
डा. पद्मावती —  
डा. संजू सिन्हा —  
डा. अभिषेक मिश्रा —  
डा. श्री अनिल बल्लेवार —  
श्री आर. के. शर्मा —  
श्री संजय पाठक —  
श्री फारुख —

- बैठक में सभी बाह्य सदस्यों के स्वागत के पश्चात् डा. जगजीत कौर सलूजा ने पिछली बैठक के मिनट्स पढ़े।
- इससे पश्चात् प्राचार्य ने मीटिंग के एजेंडा से सभी को अवगत कराया।



- साथ ही पिछली बैठक के मिनट्स एवं  
लिखित एवं श्रवण की जानकारी भी  
सदस्यों को दिये जाये।
- श्री अनिल बल्लेवार ने सुझाव दिया कि  
महा. वि. में NAAC की मिटिंग के पूर्व सभी  
बाह्य सदस्यों की ब्रिफिंग करायी जाये।
  - डा. रक्षा सिंह ने सुझाव दिया कि महा. वि.  
की सभी जानकारियों को IIR में Additional  
Information में बढ़ा दिया जाये।
  - डा. प्रशांत श्रीवास्तव ने NAAC Peer Review  
के सुझावों को अपने महा. वि. में अमल  
करने का सुझाव दिया जो निम्नलिखित हैं:-
  - महा. वि. के सभी फेज वृक्षों का वार केड  
तैयार करना।
  - महा. वि. को विभिन्न जोन में बांटना।
  - महा. वि. में Co-ordinating cell की अपेक्षा  
काउंसिलिंग सेन्टर की स्थापना करना।
  - अनिल बल्लेवार महा. वि. में Merit Centre की स्थापना करना  
जी ने उन्होंने महा. वि. के प्राध्यापकों हेतु मुफ्त  
हेल्थ चेकअप कराने का प्रस्ताव दिया।
  - विभिन्न विभागों में इन्वेंचनफ़ लांच।
  - जेफ़र आधारित क्रियाकलापों हेतु महा. वि.  
के मिडिंग पोस्ट पर महिलाओं की भागीदारी  
बढ़ाना।
  - उन्होंने NHA एवं JRF की Co-ordinating  
तथा जियोलाजी एवं प्रजापक्ष में म्यूजियम  
की स्थापना करने पर जोर दिया।
  - साथ ही उन्होंने शोध छात्रों हेतु इन्डेशन  
कार्यक्रम करने की बात कही साथ ही पद सम्पन्न  
तथा रिटायर्ड इच्छुकों को छोटी कक्षाओं को  
पढ़ाने पर जोर दिया। तथा जीरो आवरपोलिमी  
पर जोर दिया जिसके अंतर्गत टाइम टेबल में  
ब्रेक होना चाहिए।



- इसके पश्चात मिटिंग में जनरल डिस्कशन के लिए open किया गया, तथा उपस्थित सदस्यों से उनके सुझाव मांगे गए।
- सर्वप्रथम प्राचार्य ने महाविद्यालय में आयोजित किये जा रहे दोकरा आर्ट के बारे में जानकारी दी तथा आयोजनकर्ता विभाग को बहुत बधाईया दी।
- प्राचार्य ने महाविद्यालय के विभिन्न विभागों द्वारा चलाये जा रहे Value Added Course तथा Certificate Course की भी जानकारी सभी सदस्यों को दी। उन्होंने बताया कि महाविद्यालय के लगभग 149 विद्यार्थियों ने NEPTEL तथा MOOC में रीग्रिस्ट्रेशन कराया है। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि आने वाले समय में सभी PG Students के लिए Internship आवश्यक किया जायेगा।
- उन्होंने Placement के द्वारा लगभग किये जा रहे प्रयासों की भी सराहना की।
- उन्होंने जानकारी दी कि महा वि के renovation के लिए 1.5 करोड़ का प्रयोजन उपलब्ध है तथा कुछ छात्रावास का भवन पूरी तरह तैयार है। साथ ही सैम्पलेट का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है।
- उन्होंने जानकारी दी कि इस सत्र में 11 Certificate Course तथा 1 Diploma Course प्रारंभ किया जा रहा है, तथा 11 Certificate एवं 6 Diploma Course के रीग्रिस्ट्रेशन हेतु यूनिवर्सिटी को भेजा गया है।
- श्री आर.के. शर्मा ने सुझाव दिया कि बाह्य सदस्यों को बैठक के पूर्व डिस्निंग डिस्कशन किया जाये। बैठक के महय ग्राहक अंतराल ना रखा जाये तथा सदस्यों के बैठक के लगभग 1 सप्ताह पूर्व मिटिंग के रुजडा दिये जाये, जिससे सभी सदस्य पूरी तैयारी के लिए समय मिल सके।



→ उन्होने लोब. मे किये जा रहे प्रयोगों को आम जनता को समझने लायक बनाने पर जोर दिया। श्री संजय पाठक ने सुझाव दिया कि सभी शोध को आम जनता तक अवश्य पहुँचाये। साथ ही उन्होने कहा कि समान्यार पत्रों मे भेजे जाने वाले समाचार आकर्षक होने चाहिये, एवं खेल के मैदानों को संरक्षित करने हेतु मुहिम चलाने की बात कही। श्री अनिल बल्लोकर जी ने कहा कि आपत्तयं हेतु महा. वि. मे स्थान आवंटित किया जाना चाहिये, तथा डाक्टरेट डिग्री के रूप मे आपत्तयं को अभिहित किया जाना चाहिये। साथ ही विद्यार्थियों को ज्यादा से ज्यादा प्रैक्टिकल कराने तथा प्रोजेक्ट के लिए सही मार्गदर्शन देने की बात कही।

उन्होने महा. वि. के प्रवेश द्वार पर महा. वि. का Logo लगाने की बात कही। प्राचार्य महोदय ने विभिन्न व्यवस्थापक के विद्यार्थियों को वित्तीय सहायता दिये जाने की मांग रखी। साथ ही उन्होने महा. वि. की सभी फील्ड्स को कोऑर्डिनेट प्रोग्राम के रूप मे प्रदर्शित करने की बात कही।

शर्मा जी ने एनएमएस एवं गुणवत्ता डाइरेक्शन के द्वारा विद्यार्थियों के प्रैक्टीकल व्द्वयवस्थापन की बात कही। तथा सभी नये पाठ्यक्रम स्थानीय आवश्यकताओं पर आधारित एवं रोजगार पर के होने चाहिये।

→ उन्होने आपत्तयं द्वारा वित्तीय सहायता प्रदान करने का सुझाव दिया।

बैठक के अंत मे डॉ. प्रजा कुलकर्णी ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।